डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

सा.अका. 100

11 मई 2024

शोक संदेश

पंजाबी के प्रख्यात कवि, गद्यकार, अनुवादक और शिक्षाविद् सुरजीत पातर का 11 मई 2024 को निधन हो गया। अपने 79 वर्ष के जीवनकाल में उन्होंने अपने लेखन के माध्यम से पंजाबी भाषा और साहित्य को देश–विदेश में प्रतिष्ठा दिलाई। उनका पहला काव्य–संग्रह 'कोलाज' था और पहला ग़ज़ल–संग्रह 1978 में 'हवा विच लिखे हरफ' के नाम से प्रकाशित हुआ। उनकी कविता और गद्य की 10 से अधिक किताबें प्रकाशित हुई हैं। उन्होंने आठ विश्व प्रसिद्ध काव्य–नाटकों का पंजाबी में रूपांतरण किया। उन्होंने दूरदर्शन पर 'सूरज दा सनमाना' के तहत कविता के इतिहास पर काव्य–धारावाहिक के 30 एपिसोड किए थे। इसके लिए उन्होंने खोज, आलेख और पेशकारी भी की थी। वे पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, लुधियाना में पंजाबी के प्रोफेसर रह चुके थे।

पद्मश्री से सम्मानित सुरजीत पातर पंजाबी साहित अकादमी, लुधियाना और पंजाब आर्ट्स काउंसिल, चंडीगढ़ के अध्यक्ष थे। अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों और सम्मानों से अलंकृत सुरजीत पातर को 'हनेरे विच सुलगदी वर्णमाला' कविता–संग्रह के लिए वर्ष 1993 में साहित्य अकादेमी पुरस्कार से नवाज़ा गया था।

सुरजीत पातर के निधन से साहित्य जगत् शोक संतप्त है और उनके जाने से पंजाबी ही नहीं बल्कि संपूर्ण भारतीय साहित्य की अपूरणीय क्षति हुई है। साहित्य अकादेमी परिवार दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि निवेदित करता है।

(के. श्रीनिवासराव)

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in